

# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,  
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



**DATE**  
**जनवरी**  
**18**  
**2025**

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



**By Ankit Avasthi Sir**

## भारत-बांग्लादेश सीमा विवाद / India-Bangladesh Border Dispute

### संदर्भ:

भारत ने सीमा सुरक्षा और बाड़बंदी से संबंधित चिंताओं पर चर्चा के लिए बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब किया। यह कदम बीएसएफ के कथित उल्लंघनों और सीमा प्रबंधन में कंटीले तार की बाड़बंदी को लेकर उभरते विवादों के बीच बढ़ते तनाव को रेखांकित करता है।

### भारत-बांग्लादेश सीमा:

#### 1. सीमा की लंबाई और विस्तार:

- भारत-बांग्लादेश सीमा भारत की सबसे लंबी सीमा है, जिसकी कुल लंबाई 4096.7 किमी है।
- यह पश्चिम बंगाल (2216.7 किमी), असम (263 किमी), मेघालय (443 किमी), त्रिपुरा (856 किमी) और मिजोरम (318 किमी) से होकर गुजरती है।

#### 2. भौगोलिक विशेषताएँ:

- यह सीमा मैदानी क्षेत्रों, पहाड़ियों, नदी तटीय हिस्सों और जंगलों से होकर गुजरती है।
- इस सीमा पर प्राकृतिक बाधाएँ लगभग नहीं हैं, जिससे इसे पार करना अपेक्षाकृत आसान है।

#### 3. अवैध गतिविधियों का केंद्र:

- यह सीमा अत्यधिक छिद्रयुक्त है और अवैध प्रवासन, मवेशियों की तस्करी, मानव तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों का गढ़ है।

### भारत-बांग्लादेश सीमा विवाद के कारण:

#### 1. सीमा पर निर्माण संबंधी विवाद:

- 1975 के भारत-बांग्लादेश सीमा प्राधिकरण के संयुक्त दिशानिर्देशों के अनुसार, सीमा के शून्य रेखा से 150 गज के भीतर कोई रक्षा संरचना नहीं बनाई जा सकती।
- भारत तारबंदी को रक्षा संरचना नहीं मानता, जबकि बांग्लादेश और पाकिस्तान इसे रक्षा संरचना मानते हैं।

#### 2. सीमा निवासियों पर प्रभाव:

- घनी आबादी वाले सीमा क्षेत्रों में बाड़ लगाने से स्थानीय लोगों को कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

#### 3. सीसीटीवी और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी:

- भारत ने सीमा की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे उन्नत तकनीकी निगरानी प्रणाली लागू की है।
- बांग्लादेश ने इसे अपनी संप्रभुता के उल्लंघन के रूप में देखा है और इसे अपनी क्षेत्रीय अखंडता पर आघात बताया है।

### भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी की स्थिति:

#### 1. कुल बाड़बंदी कवरेज:

- 4096.7 किमी लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा में से 3141 किमी पर बाड़बंदी हो चुकी है।
- इस बाड़बंदी में सभी पूर्वी राज्यों, जैसे पश्चिम बंगाल, को शामिल किया गया है।

#### 2. पश्चिम बंगाल में बाड़बंदी:

- पश्चिम बंगाल 2216.7 किमी लंबी सीमा बांग्लादेश के साथ साझा करता है।
- 2023 तक, इस सीमा का 81.5% हिस्सा बाड़बंद किया जा चुका था।
- शेष क्षेत्रों में बाड़बंदी में बाधाएँ:
  - ग्रामीणों की आपत्तियाँ।
  - कठिन भूभाग।
  - बांग्लादेश के साथ चल रही वार्ताएँ।

#### 3. बाड़बंदी पूरी करने की चुनौतियाँ:

- गृह मंत्रालय ने निम्नलिखित कारणों से देरी को रेखांकित किया:
  - पश्चिम बंगाल सरकार का सहयोग न मिलना।
  - राज्य में भूमि अधिग्रहण लंबित होना।
- नदीय सीमाएँ:
  - सीमा के 900 किमी से अधिक हिस्से में नदीय भूभाग होने के कारण बाड़बंदी असंभव है।
  - इन क्षेत्रों की सुरक्षा बीएसएफ की जल इकाई द्वारा सुनिश्चित की जाती है।

### सीमाओं के प्रबंधन की आवश्यकता:

#### 1. सुरक्षा संबंधी चिंताएँ:

- भारत की खुली सीमाएँ अवैध घुसपैठ, तस्करी, और आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं।
- विशेष रूप से पाकिस्तान से सक्रिय आतंकवादी समूह गंभीर सुरक्षा खतरे उत्पन्न करते हैं।

#### 2. जनसांख्यिकीय परिवर्तन:

- बांग्लादेश से अनियंत्रित प्रवासन ने सीमा राज्यों में जनसांख्यिकीय संरचना को प्रभावित किया है।

#### 3. बुनियादी ढांचे का विकास:

- भारत के कई सीमा क्षेत्रों में सड़कों, संचार नेटवर्क, और सीमा चौकियों जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है।
- यह सीमाओं के प्रभावी प्रबंधन के प्रयासों में बाधा डालता है।

## रुस के 'शैडो फ्लीट' पर अमेरिकी प्रतिबंध / US sanctions on Russia 'Shadow Fleet'

### संदर्भ:

अमेरिका ने रुस के साथ तेल व्यापार पर रोक लगाने के उद्देश्य से रुस की 'शैडो फ्लीट' को निशाना बनाते हुए प्रतिबंध लगाए हैं।

- यह कदम माल ढुलाई लागत (freight cost) बढ़ा सकता है, जिससे भारत पश्चिम एशिया के तेल आपूर्तिकर्ताओं को प्रभावित कर सकता है।

### रुस की 'शैडो फ्लीट' क्या है?

'शैडो फ्लीट' एक ऐसा टैंकर नेटवर्क है, जो रुसी तेल को गुप्त रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में मदद करता है।

### शैडो फ्लीट की प्रमुख विशेषताएं:

#### 1. पोतों के स्वामित्व में पारदर्शिता की कमी:

- जहाजों का स्वामित्व जटिल कॉर्पोरेट संरचनाओं और शेल कंपनियों के माध्यम से छिपाया जाता है।

#### 2. शिप-टू-शिप ट्रांसफर (समुद्र में तेल का हस्तांतरण):

- तेल को समुद्र में एक जहाज से दूसरे जहाज में स्थानांतरित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य तेल की उत्पत्ति को छिपाना और अंतिम गंतव्य तक पहुंचाना होता है।

#### 3. अनुकूल झंडों (Flags of Convenience) का उपयोग:

- तेल जहाज ऐसे देशों के झंडों के तहत संचालित होते हैं, जिनकी नियामक निगरानी कमजोर होती है।

#### 4. पुराने जहाजों का बेड़ा:

- शैडो फ्लीट में पुराने टैंकर शामिल होते हैं, जो रखरखाव लागत अधिक होने और कम दक्षता के कारण मुख्यधारा के संचालन के लिए कम उपयुक्त माने जाते हैं।

#### 5. भ्रामक गतिविधियां और धोखाधड़ी:

- **AIS ट्रैकिंग बंद करना:** जहाजों के स्थान को छिपाने के लिए ऑटोमैटिक आईडेंटिफिकेशन सिस्टम (AIS) को बंद कर दिया जाता है।
- **दस्तावेजों में हेरफेर:** कार्गो की उत्पत्ति के दस्तावेजों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।
- **गलत रिपोर्टिंग:** कार्गो के स्रोत की जानकारी को गलत तरीके से पेश किया जाता है, ताकि इसे पहचानने से बचा जा सके।

### भारत पर प्रभाव:

**1. रुस से तेल आपूर्ति पर निर्भरता:** 2024 में रुस, भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता रहा, जो भारत के कुल आयात का लगभग **38%** था।

#### 2. प्रतिबंधों से व्यापार में रुकावट:

- भारतीय रिफाइनर मार्च 12 तक मौजूदा अनुबंधों को पूरा कर सकते हैं।
- इसके बाद प्रतिबंध भारत-रुस तेल व्यापार को बाधित कर सकते हैं।

**3. वैकल्पिक आपूर्ति का प्रबंधन:** भारत की कुल तेल आपूर्ति स्थिर रहेगी क्योंकि पश्चिम एशिया से वैकल्पिक आपूर्ति आसानी से उपलब्ध है।

### भारत पर शैडो फ्लीट का समर्थन करने का आरोप

**1. रुसी तेल शिपमेंट में वृद्धि:** भारतीय कंपनियों और दुर्बल स्थिति भारतीय संबंधों वाली इकाइयों पर रुसी तेल के परिवहन में शामिल होने का आरोप, जिससे प्रतिबंधों को दरकिनार करने का संदेह बढ़ा।

**2. भारतीय शिपिंग रजिस्टर (IRS) द्वारा प्रमाणन:** प्रतिबंधों के बाद, **भारतीय शिपिंग रजिस्टर (IRS)** ने अधिक जहाजों को प्रमाणित किया जो रुसी तेल से जुड़े थे, जिससे इसे "शैडो फ्लीट" संचालन का समर्थन माना गया।

**3. फ्लैग ऑफ कंवीनियंस का उपयोग:** भारत से जुड़े जहाज अक्सर विदेशी झंडों के तहत पंजीकृत थे, जिससे उनके स्वामित्व और माल के स्रोत को छिपाकर प्रतिबंधों से बचने की आशंका उत्पन्न हुई।

### रुस की दुविधा और मूल्य सीमा:

**1. शैडो फ्लीट पर दबाव:** प्रतिबंधों ने रुस की शैडो फ्लीट पर अतिरिक्त दबाव डाला है, जो पश्चिमी प्रतिबंधों से बाहर संचालित होती है।

**2. \$60 प्रति बैरल से कम कीमत पर तेल बेचना:** निर्यात जारी रखने के लिए, रुस को पश्चिमी मूल्य सीमा का पालन करते हुए **\$60 प्रति बैरल** से कम पर तेल बेचना पड़ सकता है।

- यह रुस को पश्चिमी शिपिंग और बीमा सुविधाओं का उपयोग करने में मदद करेगा।

**3. राजस्व में कमी:** इस कदम से रुस की आय घटेगी, लेकिन भारत और चीन को तेल निर्यात जारी रखने में मदद मिलेगी।

## इसरो का तीसरा लॉन्च पैड / ISRO's Third Launch Pad

### संदर्भ:

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में तीसरे लॉन्च पैड (Third Launch Pad - TLP) की स्थापना को मंजूरी दी है।

### भारतीय अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली की वर्तमान पृष्ठभूमि:

#### 1. दो लॉन्च पैड्स पर निर्भरता:

- वर्तमान में, भारतीय अंतरिक्ष परिवहन प्रणाली पूरी तरह दो लॉन्च पैड्स पर निर्भर है:

#### • पहला लॉन्च पैड (FLP):

- यह 30 साल पहले PSLV के लिए तैयार किया गया था।
- PSLV और SSLV के लिए लॉन्च समर्थन प्रदान करता है।

#### • दूसरा लॉन्च पैड (SLP):

- यह मुख्य रूप से GSLV और LVM3 के लिए स्थापित किया गया था।
- यह PSLV के लिए स्टैंडबाय के रूप में भी कार्य करता है।

#### 2. SLP की परिचालन क्षमता:

- SLP पिछले 20 वर्षों से संचालन में है।
- इसने चंद्रयान-3 जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ-साथ PSLV और LVM3 के कुछ वाणिज्यिक मिशनों के लिए लॉन्च क्षमता को बढ़ाया है।

### तीसरे लॉन्च पैड (TLP) के बारे में:

#### उद्देश्य:

तीसरे लॉन्च पैड (TLP) का लक्ष्य आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में उन्नत लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना है।

- यह ISRO के नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल्स (NGLV) को समर्थन प्रदान करेगा।
- यह दूसरा लॉन्च पैड का बैकअप भी होगा और भविष्य के भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनों के लिए लॉन्च क्षमता को बढ़ाएगा।

### श्रीहरिकोटा को TLP के लिए चयन के मुख्य कारण:

- पूर्वी तट पर स्थित:** पृथ्वी की घूर्णन गति का लाभ।
- भूमध्य रेखा के निकट:** पेलोड क्षमता में वृद्धि और कम लागत।
- सुरक्षा:** समुद्री व विमानन मार्गों से दूर।
- निर्जन क्षेत्र:** उड़ान मार्ग समुद्र के ऊपर, संचालन में सुगमता।

### कार्यान्वयन रणनीति:

- सार्वभौमिक डिज़ाइन:** TLP को कई वाहन विन्यासों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, जिसमें NGLV, LVM3 के साथ सेमिक्रायोजेनिक स्टेज और NGLV के उन्नत संस्करण शामिल हैं।
- उद्योग की भागीदारी:** परियोजना में ISRO के पूर्व लॉन्च पैड अनुभव का उपयोग करते हुए उद्योग की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।
- मौजूदा सुविधाओं का उपयोग:** TLP श्रीहरिकोटा के मौजूदा लॉन्च कॉम्प्लेक्स सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करेगा।
- समयसीमा:** परियोजना को 48 महीनों (4 वर्षों) के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है।

### फंडिंग:

इस परियोजना के लिए ₹3,984.86 करोड़ की कुल लागत की आवश्यकता है, जिसमें लॉन्च पैड और संबंधित सुविधाओं की स्थापना शामिल है।

### महत्व:

- भारत की अधिक बार लॉन्च करने की क्षमता को बढ़ाता है।
- मानव अंतरिक्ष उड़ान और उन्नत अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनों के लिए राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करता है।
- भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र को बढ़ावा देता है और प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करता है।

## अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाला भारत चौथा देश बन गया / India becomes 4th country to achieve space docking

### संदर्भ:

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने 16 जनवरी 2025 को अंतरिक्ष में दो उपग्रहों, **चेज़र** और **टारगेट**, का डॉकिंग प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न की। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ भारत अंतरिक्ष में बिना मानवयुक्त डॉकिंग प्रक्रिया को पूरा करने वाला दुनिया का **चौथा देश** बन गया है।

### SpaDeX मिशन: एक संक्षिप्त विवरण:

#### 1. मिशन का उद्देश्य:

- SpaDeX मिशन (Space Docking Experiment) का मुख्य उद्देश्य दो छोटे उपग्रहों, **चेज़र** और **टारगेट**, के बीच स्वचालित डॉकिंग संचालन का परीक्षण करना था।
- यह मिशन कम पृथ्वी कक्षा (LEO) में डॉकिंग तकनीक को आत्मनिर्भर रूप से प्रदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

#### 2. लॉन्च और मिशन प्रारंभ:

- मिशन को **PSLV-C60** रॉकेट के साथ श्रीहरिकोटा स्थित **सतिश धवन स्पेस सेंटर** से लॉन्च किया गया।
- लॉन्च के समय, चेज़र और टारगेट अंतरिक्ष यान के बीच **सापेक्ष वेग** दिया गया था, ताकि उनका पृथक्करण सुरक्षित रूप से हो सके।

#### 3. डॉकिंग प्रक्रिया:

- मिशन के दौरान, चेज़र और टारगेट के बीच की दूरी **5 किमी** से घटकर **3 मीटर** तक पहुंची।
- इस प्रक्रिया के अंत में, दोनों उपग्रहों के बीच **सफल डॉकिंग** का संचालन पूरा हुआ।

#### 4. तकनीकी महत्व:

- इस मिशन ने **स्वचालित डॉकिंग संचालन** के क्षेत्र में महत्वपूर्ण तकनीकी क्षमता का परीक्षण किया, जो भविष्य में अंतरिक्ष मिशनों में सहायक होगा।
- यह मिशन अंतरिक्ष में विभिन्न यान के बीच सहयोग और संचालन की क्षमता को दर्शाता है।

### मिशन जीवन: डॉकिंग संचालन के बाद दो साल तक

#### स्वदेशी तकनीकों का उपयोग:

- इंटर-सैटेलाइट कम्युनिकेशन लिंक (ISL):** अंतरिक्ष यान के बीच स्वायत्त संचार के लिए।
- GNSS आधारित नवाचारात्मक सापेक्ष कक्षा निर्धारण और प्रसार (RODP) प्रोसेसर:** अन्य अंतरिक्ष यानों की सापेक्ष स्थिति और वेग का निर्धारण करने के लिए।
- अन्य स्वदेशी तकनीकें:**
  - डॉकिंग तंत्र
  - सेंसर सूट
  - स्वायत्त रेडोस और डॉकिंग रणनीति आदि

#### स्पेस डॉकिंग क्या है?

- NASA के अनुसार, डॉकिंग को "मिलन संचालन" के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें एक सक्रिय वाहन अपने ही पावर से मिलन इंटरफेस में प्रवेश करता है।

#### 2. स्पेस डॉकिंग प्रक्रिया

- स्पेस डॉकिंग एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें एक अंतरिक्ष यान स्वचालित रूप से दूसरे अंतरिक्ष वस्तु से जुड़ने के लिए अपने आप को नियंत्रित करते हुए मैनुवर करता है।
- इस प्रक्रिया में, अंतरिक्ष यान अपने इंटरनल सिस्टम का उपयोग करके कक्षा में दूसरे अंतरिक्ष यान या वस्तु से जुड़ता है।

#### SpaDeX मिशन का महत्व

- भारत के अंतरिक्ष लक्ष्यों के लिए आवश्यक:** जैसे चंद्रमा से सैपल रिटर्न, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) की स्थापना आदि।
- सैटेलाइट सेवा और रखरखाव:** डॉकिंग के माध्यम से सैटेलाइट्स की सेवा और ईंधन भरने की सुविधा, जिससे उनके संचालन का जीवनकाल बढ़ता है।
- भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों का समर्थन:** यह मिशन तब मददगार होता है जब एक सामान्य मिशन उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कई रॉकेट लॉन्च की आवश्यकता होती है।
- अन्य महत्व:** भविष्य में अंतरिक्ष रोबोटिक्स, प्राकृतिक संसाधन निगरानी, और वनस्पति अध्ययन जैसे अनुप्रयोगों में सहायक।

## सेमी-डिराक फर्मिऑन की खोज / Discovery of Semi-Dirac Fermions

### संदर्भ:

हाल ही में कोलंबिया विश्वविद्यालय और पेंसिलवेनिया राज्य विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक कण की खोज की है, जिसे **सेमी-डिराक फर्मिऑन** कहा जा रहा है।

### खोज प्रक्रिया:

#### 1. चयनित सामग्री:

- शोधकर्ताओं ने **ज़िरकोनियम सिलिकॉन सल्फाइड (ZrSiS)** पर शोध किया, जो एक परतदार क्रिस्टल सामग्री है और इसे असामान्य कणों के मेज़बान के रूप में चुना गया।

#### 2. अनुसंधान निष्कर्ष:

- जब एक मजबूत चुंबकीय क्षेत्र ZrSiS पर लागू किया गया, तो इलेक्ट्रॉनों की ऊर्जा (सायक्लोट्रॉन ऊर्जा)  $B^{2/3}$  पैमाने के अनुसार बढ़ी, जो **सेमी-डिराक फर्मिऑन** से जुड़ी एक विशेषता है। यह ग्रेफीन जैसी सामग्रियों की ऊर्जा स्केलिंग से अलग था, जहां ऊर्जा  $B^{1/2}$  पैमाने पर बढ़ती है।

#### 3. क्वासिपार्टिकल्स:

- सेमी-डिराक फर्मिऑन** एक **क्वासिपार्टिकल** है, जो कई छोटे कणों से बना होता है और कणों जैसा व्यवहार करता है, हालांकि इसका द्रव्यमान विभिन्न दिशाओं में असामान्य होता है।

### सेमी-डिराक फर्मियन:

#### 1. परिचय:

- सेमी-डिराक फर्मिऑन एक कण है, जिसे एक दिशा में द्रव्यमान होता है, जबकि एक लंबवत दिशा में वह द्रव्यमानहीन होता है।
- यह अनोखी विशेषता **ज़िरकोनियम सिलिकॉन सल्फाइड (ZrSiS)** नामक क्रिस्टलीय सामग्री में खोजी गई थी।

#### 2. डिराक फर्मियन vs. सेमी-डिराक फर्मियन:

- डिराक फर्मिऑन:**
  - सभी दिशाओं में द्रव्यमान होता है।
  - इसके एंटी-पार्टिकल्स से अलग होते हैं।
- सेमी-डिराक फर्मिऑन:**
  - कुछ दिशा अक्षों में द्रव्यमान होता है।
  - विशेष सामग्रियों में विद्युत और चुंबकीय बलों के साथ परस्पर क्रिया के कारण विभिन्न परिस्थितियों में अलग-अलग व्यवहार करते हैं।

#### 3. क्वासी-पार्टिकल्स:

- सेमी-डिराक फर्मियन **क्वासी-पार्टिकल्स** होते हैं, जो:
  - विशिष्ट परिस्थितियों में एकल कण की तरह व्यवहार करते हैं।
  - ये कई ऊर्जा पैकेट्स या कणों से बने होते हैं (जैसे प्रोटॉन)।

### कण भौतिकी का मानक मॉडल:

मानक मॉडल (SM) कण भौतिकी में एक सैद्धांतिक ढांचा है जो ब्रह्मांड में ज्ञात चार मूलभूत बलों में से तीन का वर्णन करता है - **विद्युत चुंबकीय, कमजोर और मजबूत अंतःक्रियाएं** - और सभी ज्ञात प्राथमिक कणों को वर्गीकृत करता है।

- 1970 के दशक की शुरुआत में विकसित, यह प्रयोगात्मक परिणामों की एक विस्तृत श्रृंखला को समझाने और नई घटनाओं की भविष्यवाणी करने में सहायक रहा है।

### फर्मिऑन और बोसन्स:

#### 1. फर्मिऑन:

- फर्मिऑन (क्वार्क्स + लेप्टॉन्स) वे मौलिक कण होते हैं जिनका स्पिन आधे पूर्णांक (हाफ-इंटीजर) होता है।
- फर्मिऑन पदार्थ के मौलिक निर्माण कण होते हैं।
- उदाहरण:
  - इलेक्ट्रॉन** (लेप्टॉन)
  - प्रोटॉन** (क्वार्क)

#### 2. बोसन्स:

- बोसन्स उन कणों को कहा जाता है जो मौलिक बलों का संचार करते हैं।
- प्रत्येक मौलिक बल का अपना संबंधित बल संचारक (बोसॉन) होता है।
- उदाहरण:
  - फोटॉन:** इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बल का संचारक
  - ग्लूऑन:** मजबूत बल का संचारक
  - W और Z बोसन्स:** कमजोर बल का संचारक

#### 3. गुरुत्वाकर्षण बल:

- ग्रेविटॉन:** यह एक सुझाया गया बल संचारक है जो गुरुत्वाकर्षण बल का संचरण करेगा, लेकिन इसे अभी तक नहीं खोजा गया है।

## 8वीं वेतन आयोग / 8th Pay Commission

### संदर्भ:

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में **8वीं वेतन आयोग** की स्थापना को मंजूरी दी है।

### 8वीं वेतन आयोग:

- नेतृत्व:** 8वीं वेतन आयोग का नेतृत्व एक अध्यक्ष और दो सदस्य करेंगे, जिनकी नियुक्ति जल्द ही की जाएगी।
- सिफारिशें:** आयोग अपनी सिफारिशें **7वीं वेतन आयोग** की अवधि के समाप्त होने से पहले, **2026** में प्रस्तुत करेगा।

### वेतन आयोग के बारे में:

#### 1. परिचय:

वेतन आयोग केंद्रीय सरकार द्वारा लगभग हर दस वर्षों में गठित किया जाता है, ताकि कर्मचारियों की वेतन संरचनाओं की समीक्षा की जा सके और उसमें आवश्यक बदलाव सुझाए जा सकें।

#### 2. नोडल एजेंसी:

**स्वर्च विभाग** (वित्त मंत्रालय) इस प्रक्रिया का नोडल एजेंसी है।

#### 3. वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होती हैं:

- केंद्रीय सरकार के कर्मचारी:** जो भारत के संकलित कोष से वेतन प्राप्त करते हैं।
- सिविल और सैन्य कर्मचारी:** सभी केंद्रीय सिविल सेवाओं और रक्षा सेवाओं के कर्मचारी।
- पेंशनर्स:** सेवानिवृत्त कर्मचारी जो सरकार से पेंशन प्राप्त करते हैं।

#### 4. महत्वपूर्ण:

सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (PSUs) और स्वायत्त निकायों के कर्मचारी इसमें शामिल नहीं होते। PSU कर्मचारी अपनी संबंधित संगठन के लिए विशिष्ट वेतन संरचनाओं का पालन करते हैं।

### 8वीं वेतन आयोग की मुख्य विशेषताएँ:

- वेतन संशोधन:** मुख्य वेतन और भत्तों में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- पेंशन समायोजन:**
  - सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन योजनाओं में संशोधन किया जाएगा।

### 3. फिटमेंट फैक्टर:

- वेतन और पेंशन की गणना के लिए एक नया गुणांक (मल्टीप्लायर) प्रस्तावित किया गया है।

### 4. परामर्शी प्रक्रिया:

- विभिन्न हितधारकों, जैसे राज्य सरकारों और कर्मचारी यूनियनों के साथ संवाद किया जाएगा।

### 5. वेतन संरचना में शामिल होंगे:

- संशोधित मूल वेतन**
- महंगाई भत्ता (DA)**
- भवन भत्ता (HRA)**
- प्रमोशन और वेतनमान में समायोजन**
- अन्य भत्ते** जैसे यात्रा, चिकित्सा, और शिक्षा भत्ते।

### फिटमेंट फैक्टर:

- महत्वपूर्ण गुणांक:** फिटमेंट फैक्टर एक गुणांक है जो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के वेतन और पेंशन को संशोधित करने में उपयोग होता है।
- वेतन और पेंशन की गणना:** यह मौजूदा मूल वेतन या पेंशन पर लागू किया जाता है।
- नया वेतन संरचना:** फिटमेंट फैक्टर के माध्यम से वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर नया वेतन संरचना निर्धारित किया जाता है।

### वेतन आयोग का प्रभाव:

- आर्थिक विकास:** उच्च वेतन उपभोग को बढ़ावा देता है, जिससे रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता वस्त्रों जैसे क्षेत्रों में मांग में वृद्धि होती है।
- सरकारी व्यय:** सिफारिशों के कार्यान्वयन से वित्तीय बोझ बढ़ सकता है, जिसके लिए बजट योजना में सावधानी की आवश्यकता होती है।
- कर्मचारी मनोबल:** उचित और संशोधित वेतनमान कर्मचारी संतुष्टि और उत्पादकता को बढ़ाते हैं।
- पेंशनर्स की कल्याण:** संशोधित पेंशन से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे उनकी गरिमा और जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।

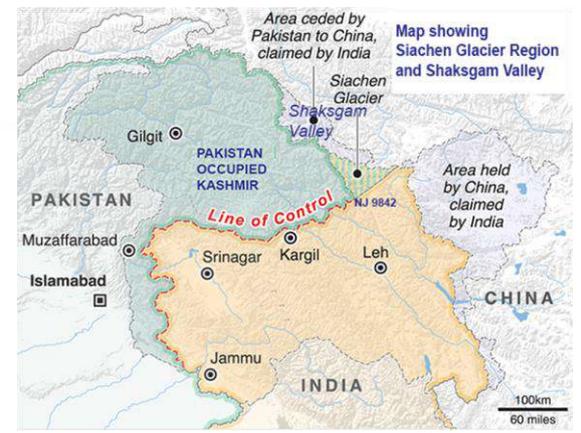
## सियाचिन ग्लेशियर / Siachen Glacier

### संदर्भ:

हाल ही में भारत की एक निजी टेलीकॉम कंपनी ने सियाचिन ग्लेशियर पर 4G और 5G सेवाओं की शुरुआत की है।

### सियाचिन ग्लेशियर के बारे में:

- स्थान:** यह **पियेडमॉंट ग्लेशियर** है जो **कर्कोरम रेंज** में स्थित है।
- "थर्ड पोल" क्षेत्र:**
  - यह हिमालय क्षेत्र में स्थित है जिसे "थर्ड पोल" कहा जाता है, क्योंकि इस क्षेत्र के पर्वतीय ग्लेशियरों में धरती पर कहीं और के मुकाबले अधिक ताजे पानी पाया जाता है, सिवाय ध्रुवीय बर्फीले आवरण के।
- भौगोलिक स्थिति:**
  - यह **साल्टोरो रिज** (कर्कोरम रेंज की एक उप-श्रेणी) से पश्चिम में और **मुख्य कर्कोरम रेंज** से पूर्व में स्थित है।
- लंबाई:** यह विश्व का दूसरा सबसे लंबा गैर-ध्रुवीय ग्लेशियर है, **फेडचेनो ग्लेशियर** (ताजिकिस्तान) के बाद।
- उत्पत्ति:**
  - इसका उद्गम **इंदिरा कॉल वेस्ट** से होता है, जो **इंदिरा रिज** पर स्थित एक निम्न बिंदु है।
- रणनीतिक महत्व:**
  - यह इतनी रणनीतिक स्थिति में स्थित है कि यह **शक्सगाम घाटी** (जो 1963 में पाकिस्तान द्वारा चीन को सौंप दी गई) को उत्तर में नियंत्रित करता है, **गिलगित बाल्टिस्तान से लेह तक आने वाले मार्गों** को पश्चिम में नियंत्रित करता है, और साथ ही **प्राचीन कर्कोरम पास** को भी पूर्व में नियंत्रित करता है।
- नदी का स्रोत:**
  - यह **80 किमी लंबी नुब्रा नदी** का प्रमुख स्रोत है, जो **श्योक नदी** की एक प्रमुख सहायक नदी है।
- मूल्यांकन:**
  - इसे विश्व का सबसे ऊँचा युद्धक्षेत्र माना जाता है और 1984 में **ऑपरेशन मेघदूत** के तहत भारत ने पाकिस्तान से इसका नियंत्रण प्राप्त किया।



### सियाचिन ग्लेशियर का महत्व:

- पाकिस्तान और चीन से घुसपैठ को रोकना:**
  - सियाचिन शक्सगाम घाटी, कर्कोरम पास, और अक्साई चिन के बीच एक केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है।
  - यह भारत के लिए पाकिस्तान और चीन दोनों से घुसपैठ को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।
- स्थिति बनाए रखना:**
  - भारतीय सेना की उपस्थिति ने इस क्षेत्र में स्थिति को बनाए रखने में मदद की है।
  - इस उपस्थिति ने किसी भी भौगोलिक बदलाव को रोका है, जो भारत की सुरक्षा के लिए खतरे का कारण बन सकता था।
- जलविभाजन और जल निकासी:**
  - सियाचिन ग्लेशियर जलविभाजन के रूप में कार्य करता है।
  - इसका पिघला हुआ पानी नुब्रा नदी का प्रमुख स्रोत बनता है, जो लद्दाख में बहती है।
  - यह नदी श्योक नदी में मिलकर अंततः सिंधु नदी में गिरती है, जो पाकिस्तान के लिए एक प्रमुख जल स्रोत है।

## वैवाहिक अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला / SC on Conjugal Rights

### संदर्भ:

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना (धारा 9, हिंदू विवाह अधिनियम) और भरण-पोषण (धारा 125, दंड प्रक्रिया संहिता) से संबंधित कार्यवाही स्वतंत्र हैं और एक-दूसरे से जुड़ी नहीं हैं।

### वैवाहिक अधिकार क्या हैं?

#### 1. परिभाषा:

- वैवाहिक अधिकार विवाह से उत्पन्न अधिकार हैं, जो पति या पत्नी को एक-दूसरे के साथ रहने (संगति) का अधिकार प्रदान करते हैं।

#### 2. कानूनी मान्यता:

- इन अधिकारों को निम्नलिखित में मान्यता दी गई है:
  - व्यक्तिगत कानून:** विवाह, तलाक आदि से संबंधित।
  - फौजदारी कानून:** जीवनसाथी को भरण-पोषण और गुजारा भत्ता प्रदान करने की आवश्यकता।

#### 3. हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9:

- संगति के अधिकार (Consortium)** को मान्यता देती है।
- इस अधिकार की रक्षा करते हुए किसी भी जीवनसाथी को इसे लागू करने के लिए न्यायालय में जाने की अनुमति देती है।

### वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना (Restitution of Conjugal Rights):

#### 1. अर्थ:

- वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का मतलब है दंपति के बीच पूर्व में विद्यमान वैवाहिक संगति और दायित्वों को बहाल करना।
- इसका उद्देश्य विवाह की पवित्रता बनाए रखना और साथ रहने को प्रोत्साहित करना है।

#### 2. वैवाहिक अधिकारों की उत्पत्ति:

- यह अवधारणा वर्तमान में हिंदू व्यक्तिगत कानून में संहिताबद्ध है, लेकिन इसकी जड़ें औपनिवेशिक काल और धार्मिक कानून (Ecclesiastical Law) में हैं।
- इसी प्रकार के प्रावधान मुस्लिम व्यक्तिगत कानून और **क्रिश्चियन फैमिली लॉ** को नियंत्रित करने वाले **डिवोर्स एक्ट, 1869** में भी हैं।

#### 3. कानूनी प्रावधान:

- हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 (धारा 9):**
  - पीड़ित जीवनसाथी न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है, यदि दूसरा जीवनसाथी बिना उचित कारण उनकी संगति से दूर हो गया हो।

#### 4. न्यायालय की भूमिका:

- न्यायालय दावों की सत्यता की जांच करता है।
- यह सुनिश्चित करता है कि आदेश जारी करने से पहले कोई कानूनी बाधा न हो।

### वैवाहिक अधिकारों की कानूनी मान्यता:

#### व्यक्तिगत कानूनों में संहिताबद्ध:

- वैवाहिक अधिकार विवाह और पारिवारिक संबंधों को नियंत्रित करने वाले व्यक्तिगत कानूनों में मान्यता प्राप्त हैं।

#### मुख्य प्रावधान:

##### ○ हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 (धारा 9):

- यदि कोई जीवनसाथी बिना उचित कारण दूसरे की संगति से दूर हो जाता है, तो दूसरा जीवनसाथी अदालत में पुनर्स्थापना के लिए याचिका दायर कर सकता है।

##### ○ मुस्लिम व्यक्तिगत कानून:

- वैवाहिक अधिकारों को मान्यता देता है और पुनर्स्थापना के लिए याचिका की अनुमति देता है।

##### ○ क्रिश्चियन कानून (डिवोर्स एक्ट, 1869):

- ईसाई विवाहों के लिए समान प्रावधान करता है।

##### ○ दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (धारा 125):

- भरण-पोषण का प्रावधान करता है, जिससे जीवनसाथी जो स्वयं को सहारा नहीं दे सकते, उन्हें वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होती है, भले ही वैवाहिक अधिकार पूरे न हो रहे हों।

### महत्वपूर्ण न्यायिक मामले:

#### 1. सरोज रानी बनाम सुदर्शन कुमार चड्ढा (1984):

- सर्वोच्च न्यायालय ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 को बरकरार रखा।
- यह कहा गया कि यह प्रावधान वैवाहिक टूटन को रोकने में सहायक है।

#### 2. त्रिपुरा उच्च न्यायालय का निर्णय (2017):

- यह कहा गया कि वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना के आदेश का पालन न करना पत्नी को भरण-पोषण प्राप्त करने से स्वतः अयोग्य नहीं बनाता।

#### 3. XYZ बनाम ABC (2023):

- कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस मामले में कहा कि पत्नी द्वारा वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना के आदेश का पालन न करना तलाक का आधार हो सकता है।

**"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"**

**SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL**

**ANKIT AVASTHI**

**Video will be upload soon !**



**ANKIT AVASTHI**



# RRB NTPC

## TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



**Only**

**99** *Per Year*

**Buy Now**



# GA FOUNDATION

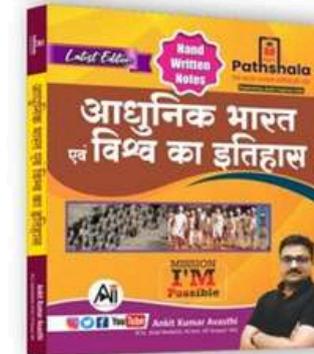
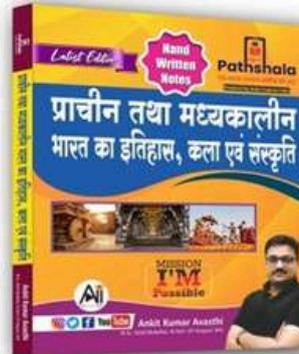
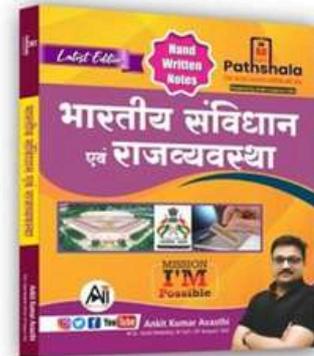
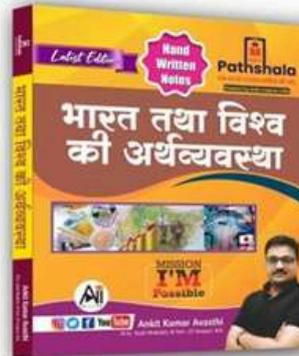
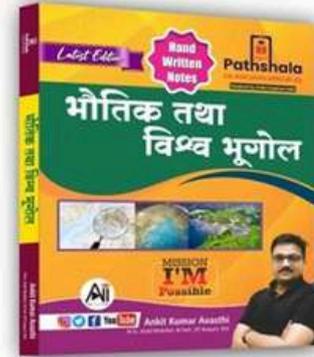
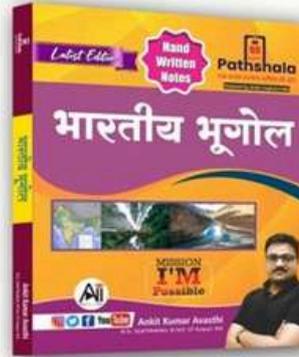
Hand Written  
**Notes**

  
**Apni Pathshala**  
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

  
**Ani**  
Ankit Inspires India

₹ **Only**  
**1999**

**4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट**



अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**



# APNI PATHSHALA

## UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

## TEST SERIES

### UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

**299/-**  
YEAR

### RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

**299/-**  
YEAR

### BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

**299**  
YEAR

### SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

**99/-**  
YEAR

### RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

**99/-**  
YEAR



Download | Application

## Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

**ANKIT AVASTHI SIR**

# NCERT COMPLETE

## FOUNDATION BATCH

▶ POLITY ▶ ECONOMICS  
▶ HISTORY ▶ GEOGRAPHY

FOR ALL

-  DAILY LIVE CLASSES
-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs

4999/-



Apni Pathshala  7878158882

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

# ONLY POLITY



1499  
RS

DAILY LIVE CLASSES

-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

**Apni Pathshala**



**7878158882**



Apni.Pathshala



kaankit



AnkitAvasthiSir



Avasthiankit

# SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,  
Stenographer (Grades C & D)



Only at

**99/- Year**

Enroll Now!

